दि० - 10/5/98

सेवा में,

सचिव,
राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मंडल, जयपुर।

विषय: कक्षा - VI की पुस्तक "विज्ञान" में सुधार हेतु सुझाव

महोदय, इस पुस्तक में अग्रांकित सुधार करें -

① अध्याय - 6, पृष्ठ 69 पर उत्सर्जन तंत्र का चित्र (6.5) है, उसमें वृक्क kidney सीने के स्थान पर बताई गई हैं जबकि गुर्दे या kidney तो नाभि की बगल में होते हैं।

② अध्याय - 7 पृष्ठ 76 पर वायु द्वारा रोगाणु प्रसार में "मूत्र त्यागने" को भी वर्णित किया है जो गलत है। इसे 'जल द्वारा' श्रेणी में माना जाता है। इस रोगाणु छिंकने, थूकने, खांसने, फूंक मारने से फैलते हैं।

③ पृष्ठ 78 पर मक्खी द्वारा इस रोग प्रसार बताया गया है। यह प्रमाणित नहीं है।

④ अध्याय - 11, पृष्ठ 121 पर डाक्टरी तापमापी चित्र (11.11) में 48 °C तक दिखाया है जो गलत है। डाक्टरी थर्मामीटर 42 °C तक होता है। कृपया यहां यह स्पष्ट कर दें कि तापमान °C के अलावा °F में भी मापा जाता है। पूरा पाठ पढ़कर भी बच्चा यह नहीं समझता कि 102° बुखार का क्या मतलब है? क्योंकि आपने केवल सेल्सीयस °C की चर्चा की है जबकि 102° बुखार फारेनहाइट° का होता है।

⑤ बच्चों के लिए निर्देश प्रदान कर दें कि वे कभी भी बुखार मापने वाले थर्मामीटर से गर्म पानी का तापमान न मापें क्योंकि यह तुरंत टूट जायगा। यह घटना अधिकांश घरों में जिज्ञासावश होती रहती है।

Scanned with OKEN Scanner

(6) अध्याय-18 पृष्ठ 182 पर कृत्रिम श्वांस देना बताया गया है जो पूर्णतया गलत है। श्वांस देते समय रोगी की नाक बंद करना चाहिए वरना उपचारकर्ता की हवा रोगी या पीड़ित के फेफड़ों में जाने के बजाए नाक से बाहर हो जाएगी। साथ ही श्वांस प्रदानकर्ता पुनः इसे स्वयं नहीं खींचे बल्कि रोगी के सीने पर बांयी ओर हथेली से दबाव दे। यह उचित तरीका है। (चित्र उपलब्ध करवा सकता हूँ)

(7) पृष्ठ 185 पर 'मूर्छा के लक्षण" पर बतावें –

(i) रोगी के कपड़े ढीले करें

(ii) दांतों के बीच जीभ न आ पावे, अतः कुछ कपड़ा दें

(iii) रोगी के पैर ऊंचे, फिर सिराई की ओर करें।

आशा है आप इन सुझावों पर अमल करेंगे। ये सुझाव मेरे नर्सिंग कैरियर तथा शोध अधिकारी (स्वास्थ्य) अनुभवों पर आधारित हैं।

(113)

प्रस्तुतकर्ता

S.K.Kataria

(डॉ. सुरेन्द्र कुमार कटारिया)

पोस्ट बॉक्स नं. 20

सीकर - 332001

राज.

Scanned with OKEN Scanner